

North-ex public school (session 2020-2021)

Subject- Hindi

Class-8

Worksheet-6

Students I Hope all of you are healthy and are taking ample precautions for self and all your family members.

Note: before attempting the worksheet you must check the links given below Which will help you in doing the same correctly.

You tube link: <https://youtu.be/dP43Ycj-8Ac>

You can download the f or if you do not have facility to get printout then you ask your ward to copy the worksheet in a simple notebook and must do exercise and questions answers in the notebook.

Hindi grammar

Topic:



पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

देखिए, पढ़िए और समझिए।

फूल
प्रसून
कुसुम



पुष्प
सुमन
मंजरी

स्त्री
कामिनी
वनिता



महिला
रमणी
औरत

राजा
भूप
भूपति



नृप
महीप
नरेश

सूर्य
दिनेश
भास्कर



रवि
प्रभाकर
सूरज

इन चित्रों के लिए छह-छह शब्द दिए गए हैं। ये सभी शब्द चित्रों के लगभग समान अर्थ दे रहे हैं।

हिंदी भाषा में एक अर्थ को प्रकट करने वाले अनेक शब्द होते हैं। इन शब्दों को पर्यायवाची या समानार्थी शब्द कहते हैं। यद्यपि पर्यायवाची शब्दों का अर्थ लगभग एक जैसा होता है। परंतु प्रत्येक स्थिति में एक शब्द के स्थान पर उसके पर्यायवाची शब्द का प्रयोग नहीं किया जा सकता। उदाहरण—

मुझे पीने के लिए ठंडा पानी दीजिए।

इस वाक्य में 'पानी' शब्द के लिए हर पर्याय का प्रयोग नहीं किया जा सकता। क्योंकि यदि हम कहें कि मुझे पीने के लिए ठंडा 'अंबु' दो तो यह अटपटा लगेगा।

नीचे कुछ पर्यायवाची शब्दों की सूची दी जा रही है। इन्हें ध्यान से पढ़िए तथा समझिए।

आकाश — गगन, आसमान, व्योम, नभ
समुद्र — सागर, रत्नाकर, जलधि, उदधि
वृक्ष — विटप, तरु, द्रुम, पादप, पेड़
पत्ता — पत्र, किसलय, पर्ण
भौरा — भ्रमर, अलि, मधुकर, भँवरा
अग्नि — आग, अनल, वह्नि, ज्वाला, पावक

धरती — धरा, वसुधा, वसुंधरा, भू, अवनि
वन — अरण्य, कानन, विजन, जंगल
घर — गृह, आलय, निकेत, सदन
बगीचा — उपवन, वाटिका, बगिया, बाग
पानी — जल, वारि, नीर, अंबु
तालाब — सर, सरोवर, पोखर, ताल

अनेकार्थी शब्द (Homonyms)

कुछ शब्द ऐसे होते हैं जिनके एक से अधिक अर्थ होते हैं। ऐसे शब्दों को अनेकार्थी शब्द कहते हैं। उदाहरण-



भारत की मुद्रा रुपया है।



नृत्य में हस्त मुद्रा का बहुत महत्व होता है।

नीचे कुछ अनेकार्थी शब्द दिए गए हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए तथा समझिए।

अक्षर - वर्ण, अविनाशी, ब्रह्मा, गगन

अनंत - जिसका अंत न हो, आकाश, बादल, मोक्ष

अंबर - वस्त्र, आकाश, शून्य, कपास, केसर

अरुण - लाल रंग, शून्य, सूर्य, सिंदूर, सोना



अनेकार्थी शब्द

आम - एक प्रकार का फल, साधारण, कच्चा

काल - समय, मृत्यु, यमराज, लोहा, मौसम

चाँच - चरित्र, चीरने की क्रिया, चोटी

अर्थ - मतलब, धन, प्रयोजन, परिणाम, मामला

समश्रुति भिन्नार्थक शब्द (Paironyms)

हिंदी में ऐसे अनेक शब्द हैं जो सुनने में तथा पढ़ने में समान प्रतीत होते हैं। परंतु उनके अर्थ बिल्कुल एक-दूसरे से भिन्न होते हैं। ऐसे शब्द समश्रुति भिन्नार्थक कहलाते हैं। उदाहरण—प्रधान तथा प्रदान। ये दोनों शब्द अर्थ की दृष्टि से अलग हैं। इनकी पहचान सही उच्चारण वर्तनी और सही स्थान पर प्रयोग द्वारा ही की जा सकती है।

नीचे कुछ समश्रुति भिन्नार्थक शब्द दिए हैं। इन्हें पढ़िए और अंतर समझिए।

1. अचार — आम, नींबू का अचार आचार — चाल-चलन	2. अन्न — अनाज अन्य — दूसरा
3. अनल — अग्नि अनिल — पवन	4. अवधि — समय, सीमा अवधी — भाषा का नाम
5. अपेक्षा — तुलना/बढ़कर उपेक्षा — अनादर	6. अंदर — भीतर अंतर — अलग
7. आदि — वगैरह, प्रारंभ आदी — आदत पड़ना	8. आकर — खान, भंडार आकार — शक्ल, आकृति
9. और — तथा, एवं ओर — दिशा, तरफ़	10. बाग — बगीचा बाघ — शेर

विलोम शब्द (Antonyms)

विपरीत अर्थवाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं। आप जानते हैं कि कुछ विपरीत शब्द मूल शब्द से पहले उपसर्ग जोड़कर बनाए जाते हैं। विपरीत अर्थ हमेशा जोड़ों में होते हैं तथा तत्सम शब्द का विलोम तत्सम, तद्भव का विलोम तद्भव, विदेशी शब्द का विलोम विदेशी शब्द ही होता है।

आइए, कुछ विलोम शब्द देखें।

(अमृत × विष अथ × इति हानि × लाभ खुशबू × बदबू स्तुति × निंदा	अर्थ × अनर्थ अनुराग × विराग सुगंध × दुर्गंध आलस्य × स्फूर्ति सजीव × निर्जीव
---	---



अनेक शब्दों के सम शब्द

- | | |
|------------------------------|-------------|
| 1. जिसका कोई अंत न हो | — अनंत |
| 2. जो कभी न मरे | — अमर |
| 3. जिसका कोई आकार न हो | — निराकार |
| 4. जिसका कोई आकार हो | — साकार |
| 5. जिसकी उपमा न दी जा सके | — अनुपम |
| 6. जिसके समान कोई दूसरा न हो | — अद्वितीय |
| 7. जो प्रशंसा के योग्य हो | — प्रशंसनीय |
| 8. जो निंदा के योग्य हो | — निंदनीय |
| 9. जो पहले हुआ हो | — भूतपूर्व |
| 10. जो पहले न हुआ हो | — अभूतपूर्व |
| 11. जिसे करना संभव न हो | — असंभव |
| 12. जानने की इच्छा रखनेवाला | — जिज्ञासु |
| 13. अपने पर बीती | — आपबीती |
| 14. जो कहा न गया हो | — अनकहा |
| 15. जो सुना न गया हो | — अनसुना |
| 16. जिसका कोई अर्थ हो | — सार्थक |
| 17. जिसका कोई अर्थ न हो | — निरर्थक |
| 18. जो सहनशील हो | — सहिष्णु |

2. महानगरों में बढ़ता प्रदूषण (अनुच्छेद लेखन)

संकेत बिंदु : प्रदूषण : गंभीर समस्या, प्रदूषण के कारण, प्रदूषण के रूप, प्रदूषण से बचने के उपाय।
दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद आदि भारत के प्रमुख महानगर हैं। महानगरों की अनेक समस्याओं में से प्रमुख समस्या है प्रदूषण। यह समस्या मुख्य रूप से विज्ञान की देन है। प्रदूषण मुख्य रूप

से चार प्रकार का होता है। प्रदूषण के ये सभी रूप दिनोंदिन भयंकर रूप धारण करते जा रहे हैं। महानगरों की निरंतर बढ़ती आबादी की आवास तथा अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अंधाधुंध वृक्षों को काटा जा रहा है जिससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ने से ऋतुचक्र में बदलाव आ गया है। शुद्ध हवा मिलना कठिन हो गया है। कारखानों से निकलने वाला धुआँ भी प्रदूषण को बढ़ाने में अपना योगदान देता है। कारखानों तथा नगरों की समस्त गंदगी को पानी में बहाकर जल को भी प्रदूषित कर दिया जाता है। इसमें जल प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है। निरंतर बढ़ते वाहनों ने वायु प्रदूषण के साथ-साथ ध्वनि प्रदूषण को भी बढ़ावा दिया है। आज इस प्रदूषण की समस्या का उपाय ढूँढ़ना हमारी पहली आवश्यकता बन गया है। इसके लिए सरकारी प्रयास भी किए जा रहे हैं। जैसे सी.एन.जी. से चलने वाले वाहनों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। परंतु महानगरों के प्रदूषण की समस्या अभी दूर होगी जब यहाँ रहने वाला हर व्यक्ति जागरूक होगा।

19/11/20

आपका टेलीफ़ोन खराब है। इसकी शिकायत करते हुए महाप्रबंधक को पत्र लिखिए।

सेवा में

महाप्रबंधक

महानगर टेलीफ़ोन निगम लिमिटेड

नई दिल्ली

विषय : टेलीफ़ोन की खराबी हेतु शिकायती पत्र।

मान्यवर,

सविनय निवेदन है कि मैं दिल्ली की साकेत कॉलोनी में रहता हूँ। मेरे घर का टेलीफ़ोन नंबर 6517648 है, जो पिछले एक सप्ताह से खराब पड़ा है। मैंने दो बार इसकी शिकायत दर्ज करवाई है लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। घर पर मेरी माताजी और छोटी बहन अकेली रहती हैं। टेलीफ़ोन ठीक न होने के कारण हमें बहुत परेशानी हो रही है। फ़ोन की ज़रूरत पड़ने पर हमें बाज़ार जाना पड़ता है। मेरा आपसे अनुरोध है कि संबंधित अधिकारियों के प्रति उचित कार्यवाही कीजिए तथा मेरा टेलीफ़ोन शीघ्रातिशीघ्र ठीक करवाने का कष्ट कीजिए ताकि हमारी समस्या का समाधान हो सके।

सधन्यवाद

भवदीय

नि.व.ए. लेखन

1. मेरे सपनों का भारत

प्रकृत विद् : भूमिका, आर्थिक रूप से संपन्न, सामाजिक बुराइयों से दूर, सर्वधर्म समभाव की भावना, शांति और शांति का स्रोत, उपसंहार।

हर व्यक्ति को अपनी मातृभूमि से प्रेम होता है। भारत मेरी जन्मभूमि है। मुझे अपनी जन्मभूमि से बहुत लगाव है। प्राचीन काल में भारत मध्यता और संस्कृति के क्षेत्र में उन्नति के शिखर पर था। इसे सोने की चिड़िया कहा जाता था। धीरे-धीरे हमारा यह देश विदेशियों के चंगुल में फँस गया। उन्होंने इसका शोषण ही नहीं किया बल्कि यहाँ की संस्कृति पर भी कुठाराघात किया। परंतु स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत ने बहुत प्रगति की है। लेकिन मेरे सपनों का भारत आज के भारत से बिल्कुल न्यारा है।

मैं भारत को आर्थिक रूप से संपन्न देखना चाहता हूँ। भारत जो कभी सोने की चिड़िया कहा जाता था। मैं चाहता हूँ आज फिर से वह अपना वही रूप लोगों के कठोर परिश्रम और लगन से प्राप्त करे। प्राचीन काल में जिस प्रकार विदेशी भारत से व्यापार करने के लिए उत्सुक रहते थे आज भी उसी प्रकार भारत से व्यापारिक संबंध स्थापित करें। भारत का हर नागरिक आलस्य को त्यागकर स्वावलंबन का सहारा लेकर भारत को पुनः आर्थिक रूप से संपन्न बनाए।

भारत में आज कई सामाजिक बुराइयाँ जैसे भ्रष्टाचार, जातिवाद, रिश्वतखोरी, नौकरशाही तथा आतंकवाद आदि व्याप्त हैं। यही बुराइयाँ भारत की प्रगति में बाधक बनी हुई हैं। मैं चाहता हूँ कि भारत में फैली बुराइयों का अंत हो, सभी लोग अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक हों और समझदारी से अपने कार्यों को करें।

मेरे सपनों के भारत में जाति और धर्म के नाम पर लोगों का बँटवारा नहीं होगा तथा सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान किया जाएगा। लोगों के अंदर प्रेम, त्याग, अहिंसा, परोपकार की भावना उत्पन्न होगी। तब ही देश में सर्वधर्म समभाव उत्पन्न होगा।

मेरा स्वप्न है कि भारत एक शांतिप्रिय देश बने लेकिन सैन्य रूप से सक्षम रहे ताकि शत्रु उसकी ओर आँख भी न उठा सके। अगर राष्ट्र कमजोर होगा तो विश्व राजनीति में उसका कोई स्थान नहीं होगा।

मुझे विश्वास है कि मेरा भारत अपनी सभ्यता और संस्कृति रूपी दीपक को विश्व में पुनः प्रज्ज्वलित करेगा। भारत आर्थिक रूप से समृद्ध, सामाजिक रूप से चरित्रवान और चेतनाशील तथा तकनीकी रूप से संपन्न बने यही मेरी कल्पना तथा मनोकामना है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा देश वर्ष 2021 तक विश्व में आर्थिक, राजनैतिक तथा सांस्कृतिक रूप से अग्रणी देश होगा।

पाठ - २।
शब्द भंडार

नॉर्थ एम्स पब्लिक स्कूल
कक्षा - आठवीं
विषय - हिंदी व्याकरण

२०२१-२२
कार्य पत्रिका
6

प्र१ निम्न शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए।

- (i) पानी ————— (ii) आकाश —————
(iii) वन ————— (iv) समुद्र —————

प्र२ विलोम शब्द लिखिए।

- (i) अनुराग ————— (ii) सजीव ————— (iii) अर्थ —————
(iv) खुशबू ————— (v) वरदान ————— (vi) थरा —————

प्र३ अनेकार्थी शब्द लिखिए।

- (i) अक्षर ————— (ii) आम —————
(iii) काल ————— (iv) चीर —————

प्र४ त्रिन्नार्थक शब्द लिखिए।

- (i) अनल ————— (ii) अंचार ————— (iii) अवधि —————
अनिल ————— आचार ————— अवधी —————

प्र५ अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।

- (i) जिसका कोई आकार न हो ————— (ii) अपने पर बीती —————
(iii) जो कभी न मरे ————— (iv) जिसका कोई अर्थ हो —————

प्र६ अनुच्छेद लेखन

(i) महानगरों में बढ़ता प्रदूषण

(ii) भारत के दर्शनीय स्थल (विद्यार्थी स्वयं करें)

प्र० आपका टेलीफोन खराब है। इसकी शिकायत करते हुए महाप्रबंधक
(i) को पत्र लिखिए।

(ii) शैक्षिक भ्रमण पर जाने की अनुमति मांगते हुए पिता जी को पत्र।
(विद्यार्थी स्वयं करेंगे)

प्र० निबन्ध लिखन।

(i) मेरे सपनों का भारत

(ii) लड़का - लड़की एक समान (विद्यार्थी स्वयं करेंगे)।

(पर्यायवाची शब्द (1-12)
विलोम शब्द (1-10)
अनेकाशी शब्द (1-8)
विन्नार्थक शब्द (1-9)
अनेक शब्दों के (1-18)
लिख एक शब्द
कापी में लिखी और याद करो)

प्रिय विद्यार्थियों! आशा है कि आप सभी परिवार सहित
स्वस्थ होंगे और अपने कार्य को समर्थनसार पूरा कर रहे होंगे,
अभिभावकों से अनुरोध है कि बच्चों का पूर्ण सहयोग करें।

धन्यवाद

घर पर रहें, स्वस्थ रहें

